तर्ज-पानी रे पानी तेरा रंग कैसा
पिया रे पिया तेरा खेल कैसा,
इसको मिटा दो लागे विष जैसा

1- लाड लडाया ऐसा तुमने झूठा खेल दिखाया
झूठे में झूठी हो गई उसमें दिल भरमाया
भरमों में पड़ गई यह कैसा

2- देखी दुनिया देखे रिश्ते देखे झूठे नाते सारे
भाई बन्धु कुटुम्ब कबीला मतलब के है सारे
मोह में मैं फंस गई रंग कैसा

3- रूहें बेनियाज थीं बीच बका बारह हजार
जानी न हक अर्श की साहेबियां अपार
तिलस्म में मैं फंस गई ये ढंग कैसा

4- चितवन द्वारा ध्यान लगाओ
सुख निजघर का मिलता
पा न सके हैं त्रैगुण जिसको
उस घर का सुख मिलता
सुख ही दिखा दो ये दुख कैसा

Nijanand App